

आधार (सूचना की सहभाजिता) विनियम, 2016**[21.08.2025 के अनुसार अद्यतित]**

आधार (विधेय और अल्प सहायिकियों, पंस्विधाओं और सेवाओं का लिखित पुरदान) अधिनियम, 2016 की धारा 23 की उप-धारा (2) के उप-खंड (के) तथा धारा 29 की उप-धारा (2) तथा (4) के साथ पिठत धारा 54 की उप-धारा (2) के उप-खंड (ओ) तथा उप-धारा (1) के अंतर्गत पंजा शब्दों का उपयोग करते हुए, भारतीय विश्व पहचान प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, नामतः :—

अध्याय – 1**प्रारंभिक**

1. संज्ञा नाम और प्रारंभ.—(1) इन विनियमों को आधार (सूचना की सहभाजिता) विनियम, 2016 कहा जाएगा।

(2) ये विनियम, इनके सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होंगे।

2. प्रभाषाएं.—(1) जब तक कि संदर्भ में अल्प अपेक्षित न हो, इन विनियमों में, -

(क) "अधिनियम" से अभिप्राय आधार (विधेय और अल्प सहायिकियों, पंस्विधाओं और सेवाओं का लिखित पुरदान) अधिनियम, 2016 से है;

(ख) "आधार पत्र" का अभिप्राय किसी निवासी को आधार नंबर के संप्रेषित करने वाले दस्तावेज से है;

(ग) "आधार नंबर धारक" का अभिप्राय कोई व्यक्ति, जिसे अधिनियम के अंतर्गत आधार नंबर जारी किया गया है, से है;

(घ) "प्राधिकरण" का अभिप्राय धारा 11 की उप-धारा (1) के तहत स्थापित भारतीय विश्व पहचान प्राधिकरण से है;

(ङ) "अनुरोध करने वाली संज्ञा" का अभिप्राय किसी एजेंसी या व्यक्ति से है, जो कि अधिमान के लिए केंद्रीय पहचान आंकड़े निष्पागार को किसी व्यक्ति विशेष का आधार नंबर तथा जनसांख्यिकीय सूचना अथवा बायोमेट्रिक सूचना प्रस्तुत करता है;

(च) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है।

(2) इन विनियमों के उपयोग के लिए अल्प सभी शब्द या अभिव्यक्तियाँ, जिनमें इन विनियमों में प्रभाषित नहीं किया गया है परंतु अधिनियम तथा उसके तहत बनाए गए नियमों तथा अल्प विनियमों में प्रभाषित किया गया है, उनका अर्थ वही अर्थ होगा, जो कि अधिनियम अथवा नियम अथवा अल्प विनियमों, जैसा भी मामला हो, में दिया गया है।

अध्याय – 2**पहचान संबंधी सूचना की सहभाजिता पर प्रतिबंध**

¹ भारत का राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4, दिनांक 14.9.2016 में अधिसूचना संख्या 13012/64/2016/विध/यूआईडीएआई (2016 की संख्या 5), दिनांक 12.9.2016 द्वारा प्रकाशित किया गया था और बाद में अधिसूचना संख्या एचएल-16016/1/2023-इयू-एचएल (ई), दिनांक 21.08.2025 (22.08.2025 से प्रभावी) द्वारा संशोधित किया गया।

² दिनांक 14.9.2016 से प्रभावी।

³ अधिसूचना संख्या 13073/1/2024-ऑथ-II-एचएल/सी-13751 (ई), दिनांक 25.01.2024 (दिनांक 27.01.2024 से प्रभावी) द्वारा अंतःस्थापित किया गया।

3. प्राधिकरण द्वारा पहचान संबंधी सूचना का सहभाजन.—(1) अधिनियम के तहत प्राधिकरण द्वारा संचित मुद्रा बायोमेट्रिक सूचना को किसी भी कारण से किसी भी व्यक्ति के साथ सहभाजित नहीं किया जाएगा।

(2) 4[आधार (अधिमान और ऑफलाइन स्थापन) विनियम, 2021] तथा अधिनियम के उपबंधों के अनुसंधान अधिमान प्रक्रिया के लिए आधार नंबर धारक से सहमित पंजा करने के उपरांत इनके संबंध में अनुरोध करने वाली संज्ञा के अनुरोध पर अधिनियम के तहत प्राधिकरण द्वारा संचित व्यक्ति विशेष सूचना की जनसांख्यिकीय सूचना तथा फोटो ऑफ को किसी अनुरोध करने वाली संज्ञा द्वारा ऐसे व्यक्ति विशेष के संबंध में ई-केवाईसी संबंधी डाटा के अधिमान संबंधी अनुरोध किए जाने पर प्राधिकरण द्वारा सहभाजित किया जा सकता है।

(3) प्राधिकरण, 4[आधार (अधिमान और ऑफलाइन स्थापन) विनियम, 2021] के विनियम 28 के अनुसंधान आधार नंबर धारक के अधिमान अभिलेखों को सहभाजित करेगा।

(4) पं० अधिकरण अधिनियम की धारा 33 के अनुसार, जब ऐसा करने की आवश्यकता हो, आधार नंबर धारक की जनसंख्या की सूचना तथा फोटो ऑफ तथा अधिपमाणन अभिलेखों को सहभाजित करेगा।

5 [(5) पं० अधिकरण, आधार (नामांकन और अद्यतन) विनियम, 2016 के विनियम 29 के उप-विनियम (1) में 'विनिर्दिष्ट' जांच के अनुसरण में, आधार नंबर और उससे संबंधित सूचना का लोप या उसे निर्यात करने के लिए, उक्त विनियमों के विनियम 29 के उप-विनियम (1क) के अनुसार, उसके कपड़े या निर्यातन में आधार नंबर धारक की सूचना, जिसमें सीआईडीआर में संश्लिष्ट सूचना भी है, तक पहुंच दे सकता है या उसका उपयोग कर सकता है या उसको पकट कर सकता है।]

6 [(6) पं० अधिकरण, माता-पिता या कानूनी अभिभावक की सहमति से ऐसे आधार नंबर को, जिसे जड़पमाणपत्र के आधार पर और मूल बायोमेट्रिक जानकारी एकत्र किए बिना, पांच वर्षों से कम आयु के बच्चों के नामांकन उपरान्त सृजित किया गया है, भारत के महापंजीयक या जड़ और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के तहत नियुक्त किसी राष्ट्र के मुक्त पंजीयक के साथ साझा कर सकता है, ताकि एक ही जड़पमाण पत्र के आधार पर दोहरे नामांकन को रोका जा सके।]

4. अनुरोध करने वाली सं० के साथ सूचना का सहभाजन.—(1) अनुरोध करने वाली सं० द्वारा आधार नंबर धारक के संबंध में अधिपमाणन के समय संश्लिष्ट अथवा पं० की गई मुक्त बायोमेट्रिक सूचना को आधार (अधिपमाणन और ऑफलाइन स्थापन) विनियम, 2021 में यथा-विनिर्दिष्ट बफर अधिपमाणन के अलावा संचित नहीं किया जाएगा और किसी भी कारण से से किसी भी सं० के साथ साझा नहीं किया जाएगा।

(2) अनुरोध करने वाली सं० के पास उपलब्ध पहचान संबंधी सूचना को :

4 अधिसूचना सं० 13073/1/2024-एयूटीएच-II-एचएल/सी-13751(ई), दिनांक 25.01.2024 (27.01.2024 से पं०) द्वारा "आधार (अधिपमाणन) विनियम, 2016" पं०-पिपित किया गया।

5 अधिसूचना सं० 13073/1/2024-एयूटीएच-II-एचएल/सी-13751(ई), दिनांक 25.01.2024 (27.01.2024 से पं०) द्वारा अंतः-पिपित किया गया।

6 अधिसूचना सं० एचएल-16016/1/2023-इयू-1-एचएल(ई), दिनांक 21.08.2025 (22.08.2025 से पं०) द्वारा अंतः-पिपित किया गया।

7 अधिसूचना सं० 13073/1/2024-एयूटीएच-II-एचएल/सी-13751(ई), दिनांक 25.01.2024 (27.01.2024 से पं०) द्वारा "आधार (अधिपमाणन) विनियम, 2016" पं०-पिपित किया गया।

(क) अनुरोध करने वाली सं० द्वारा अधिपमाणन हेतु पहचान संबंधी सूचना को पं० करने के समय, आधार नंबर धारक के विनिर्दिष्ट उपयोग के अलावा किसी अनुपयोग के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा; और

(ख) आधार नंबर धारक की पूर्ण सहमति के बिना आगे उद्धृत/पकट नहीं किया जाएगा।

(3) अनुरोध करने वाली सं०, आधार नंबर धारक के अधिपमाणन संबंधी लॉग की संबंधित सूचना को आधार (अधिपमाणन और ऑफलाइन स्थापन) विनियम, 2021 के विनियम 18 में यथा-विनिर्दिष्ट आधार नंबर धारक के साथ उसके अनुरोध किए जाने या शिकायत निवारण हेतु एवं विवादों के समाधान हेतु एवं पं० अधिकरण के साथ लेखापरीक्षा उपयोजना सहभाजित कर सकता है।

5. आधार नंबर के संबंध में अनुरोध करने वाली सं० के अलावा अनुपयोग या सं० का उद्घाटन.—(1) कोई भी सं० विशेष, अनुपयोग या सं०, जो आधार नंबर या आधार नंबर अंतर्विनिर्दिष्ट किसी दस्तावेज का संश्लेषण करती है, वह:

(क) केवल विधि-सूत उपयोजनों के लिए आधार नंबर का संश्लेषण, भंडारण तथा उपयोग करेगी;

(ख) निम्नलिखित में से संबंध में आधार नंबर धारक को सूचित करेगी :-

(i) उपयोजन, जिसके लिए सूचना का संश्लेषण किया गया है;

(ii) यदि ऐसे उपयोजनाएं आधार नंबर या आधार का साक्ष्य दिया जाना अनिवार्य है या ऐतिहासिक है और यदि अनिवार्य है तो इसे अधिदेशित करने वाला विधिक उपबंध है;

(iii) आधार नंबर अथवा आधार नंबर अंतर्विनिर्दिष्ट दस्तावेज को जमा करने का विकल्प, यदि कोई हो तो;

(ग) विनिर्दिष्ट उपयोजनाएं आधार नंबर के संश्लेषण, भंडारण उपयोग हेतु आधार नंबर धारक की सहमति पं० करना;

(2) ऐसा ऋजिविशेष, एजेंसी या सं.ा आधार नंबर धारक से सहमित ढं.ा करने के समय िविनिदा. शतरके अलावा िकसी अ.पंयोजना. आधार नंबर का उपयोग नहीं करेगा।

(3) ऐसा ऋजिविशेष, एजेंसी या सं.ा आधार नंबर को आधार नंबर धारक की सहमित के िबना िकसी ऋजिव के साथ सहभाजित नहीं करेगा।

परंतु यह िक आधार (नामांकन एवं अ.तन) िविनयम, 2016 के िविनयम 28 के उप िविनयम (1) के खंड (ईए) के अंतगत मृत ऋजिव के आधार नंबर को िनांय करने की ि.ति म. इसकी आवकता नहीं होगी।

6. आधार नंबर को सहभाजित करने, प.चा.लित करने या ढंका.शित करने पर ढंतिबंध.—

(1) िकसी ऋजिव विशेष के आधार नंबर को िकसी ऋजिव या सं.ा या एजेंसी .ारा ढंका.शित, ढंदिशा.त अथवा सावा.जिनक .प से पो: नहीं िकया जाएगा।

अधसूचना सं.ा 13073/1/2024-एयूटीएच-II-एच.ू.सी-13751(ई), िदनांक 25.01.2024 (27.01.2024 से ढंभावी) .ारा “आधार (अध.माणन) िविनयम, 2016” ढंति.ापित िकया गया।

अधसूचना सं.ा एच.ू.-16016/1/2023-इयू-I-एच.ू.(ई), िदनांक 21.08.2025 (22.08.2025 से ढंभावी) .ारा अंत: .ापित िकया गया।

(2) ऐसा कोई ऋजिव विशेष सं.ा या एजेंसी, िजसके पास आधार नंबर धारकों के आधार नंबर ह., वह आधार नंबर वाले िकसी अभलेख या डाटा बेस की सुर.ा एवं गोपनीयता सु.िन्पत करेगी।

(3) उप-विनयम (1) और (2) पर िबना ढंतिकूल ढंभाव डाले, अनुरोध करने वाली सं.ा सहित कोई भी सं.ा, िजसके पास िकसी आधार नंबर धारक का आधार नंबर है, वह ऋजिव विशेष के आधार नंबर वाले िकसी भी डाटा बेस या अभलेख को सावा.जिनक नहीं करेगा, जबतक िक ि.ढंत या इलो.ा.िनक, दोनों .पों म. उपयु.तरीके से आधार नंबर को हटा या िमटा न िदया गया हो।

(4) अनुरोध करने वाली सं.ा सहित कोई भी सं.ा अपने िकसी भी ऋजिव को अपने आधार नंबर को इंटरनेट के मा.म से भेजने को तभी कहेगी जबिक वैसा भेजा जाना सुर.ित हो तथा आधार नंबर को कूटबा.प से भेजा जाए, केवल उस ि.ति को छोड़कर, जहां इस ढंकार से आधार नंबर भेजा जाना, ढु.िट सुधार िकए जाने या िशकायत का िनपटान िकए जाने के िलए अपे.ित हो।

(5) अनुरोध करने वाली सं.ा सहित कोई भी सं.ा आधार नंबर या िकसी द.ावेज या डाटा बेस, िजसम. आधार नंबर हो, को आधार नंबर धारक की सहमित लेने के समय िविनिदा.पंयोजन के िलए आवक समय से अधिक समय तक अपने पास नहीं रखेगी।

7. िविनयमों का उ.ंघन िकए जाने पर दा.िय. िनधा.रण.—अधिनयम के तहत की जाने वाली िकसी कारा.वाई पर िबना ढंतिकूल ढंभाव डाले, इन िविनयमों के िविनयम 3, 4, 5 और 6 का कोई भी उ.ंघन अधिनयम की धारा 29 की उप-धारा (2) का उ.ंघन माना जाएगा।

8. आधार नंबर धारक की िशकायतों का िनवारण.—आधार नंबर धारक की पहचान संबंधी सूचना को अधिनयम या िविनयमों के उपबंधों के ढंतिकूल िकसी पा.ित से सहभाजित िकए जाने या ढंका.शित िकए जाने पर आधार नंबर धारक, आधार (नामांकन तथा अ.तन) िविनयम, 2016 के िविनयम 32 के अनु.प ढं पूछ सकता है तथा िशकायत कर सकता है।

अ.ा.य—3

िविवध

9. आधार नंबर को सहभाजित िकए जाने के बारे म. सूचना का ढंसार.—ढंाधिकरण, आधार नंबर के उपयोग तथा इसको सहभाजित िकए जाने के दु.रणामों के बारे म. आधार नंबर धारक को िशि.त करने के िलए अनवाय. उपाय कर सकता है।

10. ऋावृ.ि.—भारत सरकार के योजना आयोग के िदनांक 28 जनवरी, 2009 की अधसूचना सं.ा ए-43011/02/2009-ढंशासन-1 के मा.म से .ापित भारतीय िविश. पहचान ढंाधिकरण अथवा ऐसे ढंाधिकरण के िकसी अधिकारी अथवा अधिनयम के तहत ढंाधिकरण की .ापना पूवा. जारी सभी काय. पा.ित, आदेश, ढं.ियाएं, मानक तथा नी.तियां अथवा ह.ार िकए गए सभी समझौता .ापन, करार अथवा सिवदाएं उस सीमा तक लागू रह.ंगी, जबतक िक वे अधिनयम के उपबंधों तथा त.ढंध के तहत तैयार िकए गए अधिनयम अथवा िविनयम के तहत असंगत िसा. न हो जाएं।

11. ंीकरण तथा िदशािनदशों को जारी करने की शाib.—इन िविनयमों के अनुपयोग तथा िनवाचन के संबंध मँ िकसी समंा का िनराकरण करने अथवा िकसी मामले मँ ंीकरण करने के िलए पंािधकरण पुरपु के ढप मँ ंीकरण अथवा िदशािनदश जारी कर सकता है।

10[12. पंायोजित शाib या कृ से संबंधित काया या बात को करना.— (1) ऐसा कोई काया या बात जो पंािधकरण ०ारा इन िविनयमों के अंतगत िक्या जाना अपेित है या िक्या जा सकता है, पंािधकरण के ऐसे सद* या अधिकारी या िकसी अक्जिब०ारा भी िक्या जा सकता है िजसे पंािधकरण ने संबंधित शाib या कृ, अधिनयम की धारा 51 के अंतगत, सामा या िविश' िलाखत आदेश ०ारा पंायोजित िक्या है।

(2) पंािधकरण, उप-िविनयम (1) के अंतगत एक सद*, अधिकारी या अक्जिब०ारा िक्या गया कोई काया या बात उब उप-िविनयम मँ िनिदः पंायोजित शाib या कृ से संबंधित है या नहीं, अवधारत कर सकेगा।]

10अधसूचना संंा 13073/1/2024-एयूटीएच-II-एचएू/सी-13751(ई), िदनांक 25.01.2024 (27.01.2024 से पंभावी) ०ारा अंतः ापित िक्या गया।

